नई खुदरा नीति से पैदा होंगी 30 लाख नौकरियां : सीआईआई

नई दिल्ली। लंबे इंतजार के बाद आने वाली नई खुदरा नीति रोजगार सृजन में बड़ी भूमिका निभाएगी। सीआईआई की खुदरा समिति के चेयरमैन शाश्वत गोयनका ने मंगलवार को कहा कि नई नीति से 2024 तक 30 लाख नौकरियां पैदा होंगी।

खुदरा व एफएमसीजी कंपनी आरपी-संजीव गोयनका समूह के प्रमुख शाश्वत गोयनका ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के खुदरा सम्मेलन, 2020 में कहा कि राष्ट्रीय खुदरा नीति महामारी से जूझ रहे क्षेत्र को उबारने और दोबारा तेजी की राह पर लाने में मददगार होगी। अभी खुदरा क्षेत्र ने करीब 5 करोड़ लोगों को रोजगार मुहैया कराया है। उन्होंने कहा कि हालिया सर्वे में पता चला है कि ढांचागत विकास, भंडारण और कोल्ड स्टोरेज जैसे क्षेत्रों में महज 6,500 करोड़ के निवेश से ही 2-3 लाख नौकरियां पैदा की जा सकती हैं। उद्योग संवर्द्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग के संयुक्त सचिव अनिल अग्रवाल ने कहा कि नीति पर सरकार तेजी से काम कर रही है। इसमें उद्योग जगत के लिए काफी कुछ नया शामिल किया गया है। एजेंसी

5 करोड़ लोगों को अभी खुदरा क्षेत्र देता है रोजगार

नई भर्तियों में 30% तेजी

महामारी के दबाव से जूझ रही कंपनियां अब इससे बाहर आ रही हैं। सितंबर में नई भर्तियों की संख्या पिछले साल से 30 फीसदी बढ़ गई। लिंक्डिन ने हालिया रिपोर्ट में बताया कि सालाना आधार पर सितंबर में नई भर्तियां तेजी से बढ़ी हैं और गैर-तकनीकी क्षेत्र में सबसे ज्यादा उछाल आया है। हालांकि, अप्रैल में भर्तियां 50 फीसदी तक गिर गई थीं। जुलाई में सुधरकर शून्य पर पहुंची, जिसके बाद अगस्त में 12 फीसदी और सितंबर में 30 फीसदी की तेजी आई।